बाबा मुक्तानन्द की पुस्तक
'ध्यान-सोपान' से सिखावनियाँ

ध्यान करो—परमात्मा को पाने के लिए नहीं, बल्कि इस बात के प्रति जागरूक होने के लिए कि परमात्मा तुम्हारे अन्तर में है।

~ स्वामी मुक्तानन्द

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

स्वामी मुक्तानन्द, *ध्यान-सोपान : अन्तर-आनन्द की ओर,* [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१२], पृ. ३४।